मेरे प्रिय रेलकर्मियो,

त्योहारों के इस पावन अवसर पर, मैं आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूँ.

आगामी नवरात्रि, दुर्गा पूजा, दशहरा, गांधी जयंती और ईद उल-जुहा के दौरान हम भक्ति और श्रद्धा की अपनी अभिव्यक्ति के अलावा इस अवसर पर हम महान बलिदानों का स्मरण कर उनसे सीख लेते हैं. हमारे ये त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक हैं.

इस शुभ अवसर पर हमें भारतीय रेलों पर फैली गंदगी पर स्वच्छता की जीत की यात्रा प्रारंभ करनी चाहिए.

एक देश के रूप में, हम सब अपनी संस्कृति, स्वच्छता की आदतों पर गर्व करते हैं परंतु दुर्भाग्यवश हमारी ये आदतें हमारे घर की चारदीवारी के भीतर तक ही सीमित रह जाती हैं. जब हम अपने घर को साफ-सुथरा रख सकते है और इस पर गर्व भी महसूस करते हैं तो क्या हमें अपने वातावरण, अपने परिवेश पर गर्व महसूस नहीं करना चाहिए?

इस अवसर पर हम संकल्प लेते हैं कि न केवल हम स्टेशनों, यार्डों, कारखानों, ट्रैकों, वर्कशॉपों, अस्पतालों, रिहायशी परिसरों और रेलवे कॉलोनियों की सफाई करेंगे बल्कि उन्हें सदैव साफ-सुथरा भी रखेंगे.

मेरा सपना है कि भारतीय रेल की चर्चा भारत में विभिन्न विषयों के लिए होनी चाहिए, जिनमें "स्वच्छता" प्रथम हो. हमें अपने इस संकल्प का प्रदर्शन 2 अक्टूबर से श्रमदान कर करना चाहिए, जब भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान "**स्वच्छ भारत मिशन**" की शुरूआत कर रहे हैं .

हमें भारतीय रेलवे को अपने कार्यस्थल के रूप में और यात्रा के लिए भी स्वच्छ बनाए रखना चाहिए और भारत का एक बेहतरीन समृद्धशाली राष्ट्र के रूप में निर्माण करना चाहिए.

आइए, हम सब एकजुट होकर इस अभियान को सफल बनाने में अपना उत्कृष्ट योगदान दें.

शुभकामनाओं सहित.

(डी. वी. सदानंद गौड़ा)